ग्रामीण समाज में आधुनिकीकरण

डॉ० विनय पासवान

सामान्यतया आधुनिकीकरण आधुनिकता की ओर अग्रसर होने की प्रक्रिया माना जाता है। इसमें नवीनता का उदय होता है तथा आधुनिक प्रवृत्तियों विकसित होती है। यह एक प्रकार का बौद्धिक आंदोलन है, जिसमें व्यक्तियों की मानसिकता का परिवर्तन होता है तथा जीवनशैली एवं व्यवहार के नवीन प्रतिमान विकसित होते है। इस प्रकार आधुनिकरण के अन्तर्गत नवीनीकरण, नागरिकता का प्रसार, जनतंत्रीकरण, धर्मनिरपेक्षीकरण, विचार स्वतंत्रता, स्वावलंबन, सांस्कृतिकरण पश्चिमीकरण, नगरीकरण इत्यादि की प्रक्रियाएँ होती है। इसमें औपचारिकतावाद राजनीतिकरण, विद्युतीकरण व्यापारीकरण, यंत्रीकरण एवं सामाजिक जीवन की विधियों का उपयोग आदि की भी भूमिका होती है। इसके अतिरिक्त ग्रामीण समुदायों में साक्षरता प्रसार अभियान सबके लिए सामान्य शिक्षा की शासकीय नीतियाँ तथा रोजगारपरक शिक्षा की व्यवस्थाओं द्वारा ग्रामवासियों के शैक्षिक स्तरों में परिभार्जन परिलक्षित हो रहा है परन्तु उसकी गति मंद है।